संपादकीय

सुरक्षा और फाइन

सड़क सुरक्षा में सुधार के मकसद से संशोधित मोटर वाहन कानून राष्ट्रीय स्तर पर अमल में आ चुका है, हालांकि जहां-तहां इसे लागू करने में कुछ अड़चनें बाकी हैं। इस कानून में ट्रैफिक से जुड़ी सभी गलतियों पर जुर्माने की राशि बहुत बढ़ा दी गई है, जिस पर बड़ी संख्या में लोगों ने आपत्ति जताई है। पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश सरकार ने इसी कारण इसको लागू करने से मना कर दिया है, जबकि राजस्थान ने कहा है कि जुर्माने की राशि की समीक्षा के बाद ही इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा।

इस नियम के लागू होने के बाद जिस तरह से चालान काटे जा रहे हैं, उसे लेकर लोगों में भारी बेचैनी है। सीट बेल्ट न लगी होने पर 300 की बजाय एक हजार रुपये और प्रदूषण सर्टिफिकेट अपडेट न होने पर एक हजार के बजाय दस हजार रुपये फाइन किसी के गले नहीं उतर रहा। संशोधित मोटर वाहन कानून में दंड की राशि बढ़ाने का मकसद लोगों को सतर्क रहने के लिए बाध्य करना है। हमारे देश में ट्रैफिक नियमों को गंभीरता से न लेने के पीछे एक कारण जुर्माना कम होना भी रहा है।

कई बार लोग नियमों का उल्लंघन यह सोचकर करते हैं कि पकड़ भी लिए गए तो सस्ते में छूट जाएंगे। कुछ लोगों के लिए नियम तोड़ना शान की बात हो गई है। सड़कों पर अराजकता की यह एक बड़ी वजह है। तेज रफ्तार से आए दिन लोगों की जान जाने, शराब पीकर कहीं भी गाड़ी ठोक देने और हेलमेट न पहनने के कारण मामूली एक्सिडेंट में भी हेड इंजरी से मौत की खबरें भी आती रहती हैं। रोड रेज हमारी सड़कों की स्थायी महामारी है।

यह वाकई शर्मनाक है कि दुनिया में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं भारत में होती हैं और इनमें सबसे ज्यादा लोग यहीं मरते हैं। ऐसे में एक रास्ता यह दिखता है कि जुर्माने की राशि इतनी बढ़ा दी जाए कि जेब पर भारी दबाव लोगों को नियम मानने को मजबूर करे और धीरे-धीरे यह उनकी आदत का हिस्सा बन जाए। इसका असर भी हो रहा है क्योंकि नया कानून लागू होते ही लोगों ने हेलमेट खरीदने और प्रदूषण प्रमाणपत्र बनवाने के लिए भीड़ लगा दी है।

लेकिन जनता पर भारी जुर्माने के साथ ही सड़क सुरक्षा में कुछ जवाबदेही प्रशासन की भी बनती है। यह तभी संभव हो पाएगी जब सड़कों का हाल दुरुस्त हो। याद रहे, 2013-2017 के दौरान सिर्फ सड़क के गड्ढों के कारण हुई दुर्घटनाओं में 14,926 लोग मारे जा चुके हैं। ट्रैफिक सिग्नल अक्सर खराब रहते हैं। फुटपाथों पर अतिक्रमण हो चुका है। कई चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस के दर्शन नहीं होते। सरकार सोचे कि चुस्त ट्रैफिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बगैर सिर्फ भारी जुर्माना लगाकर सड़कों का हाल कितना सुधर पाएगा। यह भी कि कुछ गलतियों के लिए जुर्माने की राशि कहीं इतनी तो नहीं बढ़ा दी गई है कि वह ट्रैफिक पुलिस का भ्रष्टाचार बढ़ाने में काम आने लगे।

जल्द घट सकता हैं पीपीएफ, एनएससी पर मिलने वाला ब्याज

नईदिल्ली (आरएनएस)। सरकार पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी छोटी बचत स्कीमों पर इस महीने के अंत तक ब्याज घट सकती है. छोटी बचत स्कीमों की अधिक दरों के चलते बैंक अपने डिपॉजिट पर ज्यादा ब्याज देने के लिए मजबूर हैं. सरकार इन स्कीमों की ब्याज दरों की समीक्षा करेगी. इसमें वह दरों को घटाने का फैसला ले सकती है. इन स्कीम्स पर ब्याज घटाने का कारण ये है कि इनकी ब्याज दर बाजार से नहीं जुड़ी हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों से अपने रिटेल और एमएसएमई लोन रेपो रेट जैसे

किसी एक्सटर्नल बेंचमार्क से जोड़ने के आदेश दिए हैं. इससे आने वाली तिमाहियों में बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन पर दबाव बन सकता है. कारण है कि बैंक डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बड़ी कटौती नहीं कर पाएंगे. जबकि आरबीआई के कदम से नया लोन सस्ता होगा. भारतीय स्टेट बैंक सहित कुछ बैंकों ने रेपो रेट के साथ अपने सेविंग्स बैंक डिपॉजिट जोड़े हैं. लेकिन, इस तरह का बदलाव अस्थाई है. आईडीबीआई जैसे अन्य बैंकों ने कुछ बल्क डिपॉजिट के साथ रेपो रेट को जोड़ा है.

एसबीआई के एमडी पीके गुप्ता ने बताया कि ब्याज दरों में कमी के बीच डिपॉजिट को रेपो रेट से जोड़ना सही नहीं होगा. इसके अलावा एफडी के ग्राहक छोटी बचत स्कीमों की ओर रुख कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि बैंक जल्द ही इस मसले को सरकार के साथ उठाएंगे. सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने माना कि वाकई में यह बड़ी चिंता है. उन्होंने सुझाव दिया कि छोटी बचत स्कीमों की ब्याज दरों को घटाने की जरूरत है. यह फैसला राजनीतिक स्तर पर होगा.

अधिकारी ने कहा कि वैसे अभी इस मसले पर निर्णय लेना आसान नहीं होगा. खासतौर से यह देखते हुए कि मौजूदा आर्थिक स्थितियों को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर है. वित्त मंत्री भी छोटी बचत स्कीमों के लिए मार्केट लिंक्ड व्यवस्था की ओर रुख करने पर सहमति जता चुकी हैं.

शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ता पुनः शुरू होने की खबरों से निवेशकों में उत्साह तथा घरेलू शेयर बाजारों की तेज शुरुआत के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत हो गया। बृहस्पतिवार को रुपया 28 पैसे की बढ़त लेकर 71.84 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि अक्टूबर में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ता पुनः शुरू होने की खबर से निवेशकों में उत्साह रहा। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों की तेज शुरुआत ने भी रुपये की मदद की। हालांकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की सतत निकासी तथा कच्चा तेल में तेजी आने से रुपये पर दबाव रहा। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार को एफपीआई ने 561.17 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की।

मदर डेयरी ने गाय दूध के दाम 2 रुपये बढ़ाए

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने दिल्ली-एनसीआर में गाय के दूध का दाम दो रुपये बढ़ाकर 44 रुपये लीटर कर दिया है. नई कीमत शुक्रवार से लागू हो गई है. कंपनी ने कहा है कि वह किसानों से कच्चा दूध खरीदने के लिए अधिक भुगतान कर रही है. इस वजह से उसे गाय दूध के दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं.

हालांकि, कंपनी ने अन्य किसी दूध के दाम नहीं बढ़ाए हैं. मदर डेयरी के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले दो तीन महीने में गाय के कच्चे दूध की खरीद पर उसे ढाई से तीन रुपये प्रति लीटर का अधिक भुगतान करना पड़ रहा है. प्रवक्ता ने कहा कि इस वजह से दूध के दाम में बढ़ोतरी की गई है. उन्होंने बताया कि छह सितंबर से गाय के दूध के आधा लीटर के पैक का दाम 23 रुपये और एक लीटर के पैक का दाम 44 रुपये प्रति लीटर होगा. माना जा रहा है कि मदर डेयरी के बाद अमूल और पराग जैसी कंपनियां भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं.

आधार कार्ड में एड्रेस और किसी बदलाव के लिए यूआईडीएआई ने जारी किए नए नियम

नईदिल्ली (आरएनएस)। अगर आपको अपने आधार में कोई जानकारी अपडेट करनी है या बदलवानी है तो उसके लिए आपको अब अलग तरीका अपनना होगा. क्योंकि आधार जारी करने वाली कंपनी यूआईडीएआई ने आधार अपडेशन के नियम में कुछ बदलाव कर दिए हैं. लोगों की आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने देश के कुछ शहरों में आधार सेवा केंद्र शुरू किए हैं. बता दें कि आप

इन सेंटर्स पर नया आधार बनवा सकते हैं. साथ ही पता, नाम और जन्मतिथि में बदलाव या अपडेट करने की स्थति में भी इस सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है.

ये सेवाएं यूआईडीएआई बैंकों, पोस्ट ऑफिसों और सरकारी कार्यालयों में देगा. यूआईडीएआई ने दिल्ली, चेन्नई, भोपाल, आगरा, हिसार, विजयवाड़ा और चंडीगढ़ में आधार सेवा केंद्र शुरू किए हैं. इसके अलावा भोपाल, चेन्नई, पटना और गुवाहाटी में आधार सेवा केंद्र इस महीने शुरू हो जाएंगे. साथ ही यूआईडीएआई देश भर के 53 शहरों में 114 आधार सेवा केंद्र खोलने की प्लानिंग भी कर रहा है.

आधार सेवा केंद्र की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेना होगा.

मारुति सुजुकी ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मुख्य कल पुर्जों को देश में ही बनाने का आह्वान किया

नईदिल्ली (आरएनएस)। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी ने कल-पुर्जे बनाने वाली कंपनियों को वाहनों के इलेक्ट्रॉनिक्स तथा कुछ अन्य मुख्य कल-पुर्जे का देश में ही विनिर्माण शुरू करने का सुझाव दिया। मारुति सुजुकी ने कहा कि इससे इन कल-पुर्जों का आयात कम करने में मदद मिलेगी। इससे न सिर्फ मारुति को मदद मिलेगी बल्कि सरकार की मेक इन इंडिया मुहिम को भी समर्थन मिलेगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केनिचि आयुकावा ने यहां एक्मा के वार्षिक सम्मेलन में कहा, ''मैं आपको (कल-पुर्जा उद्योग को) एक चुनौती और एक सुझाव देता हूं। कल-पुर्जों के हिसाब से मारुति सुजुकी के वाहन 90 प्रतिशत से अधिक

स्वदेशी होते हैं। लेकिन कुछ मुख्य कल-पुर्जे तथा इलेक्ट्रॉनिक्स का हमें अभी भी आयात करना पड़ता है। हम चाहते हैं कि ये सामान में भारत में निर्मित हों।'' उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी गुणवत्ता तथा भरोसे के साथ देश में ही ये सामान बनाये तो इससे न सिर्फ मारुति सुजुकी को बल्कि पूरे घरेलू वाहन उद्योग को मदद मिलेगी।

विदेशी निवेशकों ने भारत में किया 25 हजार करोड़ का निवेश!

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की अर्थव्यवस्था को लेकर राहत की खबर आई है. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के दौरान देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 28 प्रतिशत बढ़कर 16.33 अरब डॉलर पर पहुंच गया. सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में देश में 2.75 अरब डॉलर का एफडीआई आया था. आपको बता दें कि पहली तिमाही में करीब 25,418 करोड़ रुपये का निवेश भारत में हुआ है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सेवा क्षेत्र में 2.80 अरब डॉलर, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में 2.24 अरब डॉलर,टेलीकॉम में 4.22 अरब डॉलर और कारोबार में 1.13 अरब डॉलर का एफडीआई आया.

इस दौरान सिंगापुर से सबसे ज्यादा 5.33 अरब डॉलर एफडीआई आया. इसके बाद 4.67 अरब डॉलर के साथ मॉरीशस, 1.45 अरब डॉलर के साथ नीदरलैंड और 47.20 करोड़ डॉलर के साथ जापान का स्थान रहा. सरकार ने हाल ही में कुछ क्षेत्रों में एफडीआई नियमों में ढील दी है.

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सिंगल ब्रैंड रिटेल सहित कई सेक्टर्स में एफडीआई के नियमों में ढील को मंजूरी दी.

टेस्ट क्रिकेट में स्टीव स्मिथ हैं बेस्ट, कुल मिलाकर कोहली का जवाब नहीं: शेन वॉर्न

नई दिल्ली। चार पारियां, एक दोहरे शतक समेत कुल तीन शतक, एक हाफ सेंचुरी। स्टीव स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का यह पूर्व कप्तान शानदार फॉर्म में है। गुरुवार को उन्होंने डबल सेंचुरी लगाई। वह पहले ही भारतीय कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ टेस्ट क्रिकेट में नंबर एक बल्लेबाज बन चुके हैं। लेकिन क्रिकेट जगत में यह बहस जारी है कि विराट और स्मिथ में कौन बेहतर बल्लेबाज है।

ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न ने कहा कि अगर उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए चुनना हो तो स्मिथ उनके फेवरिट कोहली से जरा सा आगे रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभी प्रारूपों की बात की जाए तो कोहली आगे रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोहली सचिन तेंडुलकर के 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों के रेकॉर्ड को तोड़ देंगे।

वॉर्न ने कहा, जहां तक टेस्ट क्रिकेट की बात है तो मैं कहूंगा कि शायद कोहली और स्मिथ में से किसी एक को चुनना बहुत मुश्किल होगा। लेकिन मुझे लगता है कि अगर टेस्ट क्रिकेट में किसी एक

बल्लेबाज को चुनना ही हो तो मैं स्मिथ को चुनूंगा लेकिन अगर मैं ऐसा नहीं कर सकता तो मेरे पास विराट होगा और मैं इसमें भी बहुत खुश रहूंगा क्योंकि वह महान खिलाड़ी हैं।

वॉर्न ने कहा, मेरे विचार से विराट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। अगर मुझे सभी प्रारूपों में कोई एक बल्लेबाज चुनना हो तो मैं विराट को चुनूंगा। मैं जिन बल्लेबाजों को वनडे इंटरनैशनल में देखा या फिर शायद सभी प्रारूपों में उनमें विवियन रिचर्ड्स सबसे महान बल्लेबाज थे। लेकिन विराट अब मेरी नजर में महानतम वनडे बल्लेबाज हैं। वह मेरे लिए विव से भी आगे निकल गए हैं।

चावल के पकोड़े बनाने की विधि...

सामग्रीः

एक कप चावल पके हुए, 2 कप बेसन, एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक हरी मिर्च बारीक कटी हुई, आधा छोटा चम्मच अदरक कद्दूकस किया, आधा छोटा चम्मच धनिया पाउडर, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चुटकी हींग, आधी छोटी चम्मच अजवायन, आधा कप हरा धनिया बारीक कटा हुआ, आधा छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर, स्वाद के मुताबिक एवं तेल।

बनाने की विधिः

सबसे पहले बर्तन में चावल डालकर अच्छे से मैश कीजिए। अब चावल में बेसन, प्याज, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, हींग, जीरा पाउडर, अजवायन तथा नमक डालकर अच्छे से मिलाइए।फिर इस मिश्रण को 10 मिनट हेतु रखिए। तत्पश्चात पकौड़े बनाने हेतु मिक्सचर और पतला करना है तो इसमेंजरुरत के मुताबिक पानी डालिए एवं मिक्स कीजिए।अब गैस पर कड़ाही में तेल गर्म कीजिए। फिर एक चम्मच में बेसन व चावल का मिक्सचर लेकर तेल में डालिए। ऐसे ही 3 से 4 चम्मच मिक्सचर लेकर तेल में अलग एवं दूर-दूर डालकरकम आंच पर फ्राई कीजिए।पकौड़े पलटकर हल्के ब्राउन होने तक तलिए व प्लेट में निकाल लेवे। ऐसे ही सभी पकौड़े तैयार कीजिए। अब इन्हें सॉस व चटनी संग गर्मागर्म सर्व कीजिए।

शब्द सामर्थ्य- 78

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

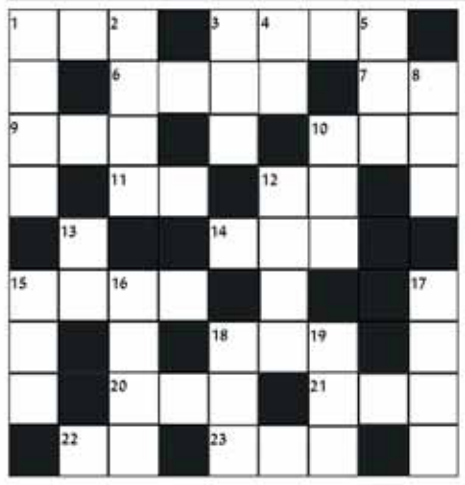

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 77 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 78

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम्,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.77 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

आज का राशिफल

मेषः- मेष राशि वालों को आज अधिक परिश्रम करना होगा लेकिन लाभ की स्थिति कमजोर रहेगी। घर-परिवार के कार्यों में भी कुछ बाधाएं आ सकती हैं। धैर्य बनाए रखें।

वृषभः- कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। पारिवारिक जीवन आनंदपूर्ण रहेगा, जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। शाम के समय किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

मिथुनः- आज सुबह से ही आपको घर-परिवार और कार्यक्षेत्र में तमाम जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं। आपका व्यवहार आपको सभी के बीच लोकप्रिय भी बनाता है कि आप किसी भी जिम्मेदारी को लेने से पीछे नहीं हटते।

कर्कः- आज दिन की शुरुआत से ही जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यस्त रह सकते हैं। बुद्धि-विवेक से सफलता आज आपके कदम चूमेगी। परिवार के साथ आनंद के पल बिताएंगे।

सिंहः- स्वास्थ्य नरम रहेगा। अकारण ही आप चिंतित रहेंगे। दिन भर उलझन की स्थिति रहेगी। थकान महसूस करेंगे। वाणी और व्यवहार के कारण वाद-विवाद हो सकता है।

कन्याः- आज सभी कार्य सरलतापूर्वक हल होंगे। कार्यक्षेत्र हो या पारिवारिक जीवन सभी जगह अनुकूलता का अहसास होगा। सरकारी क्षेत्र से जुड़े कार्य पूरे होंगे।

तुलाः- आज का दिन आपके लिए तमाम शुभता लेकर आया है। आज आप धन प्राप्ति के लिए जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको लाभ होने का योग है।

वृश्चिकः- आपकी राशि में गजकेसरी योग बना है। आज आप उर्जा और उत्साहित से भरपूर रहेंगे। जोखिम लेने से बचें। परिवार में आनन्द और उल्लास का माहौल रहेगा।

धनुः- स्वास्थ्य नरम रहेगा। दिन की शुरुआत सुस्त रहेगी। मन अशांत रहेगा। उतावलेपन में कोई भी निर्णय ना लें। जल्दबाजी में काम निबटाने का प्रयास कष्टकारी हो सकता है।

मकरः- बीमार लोगों की सेहत में सुधार होगा। आज प्रत्येक क्षेत्र में आपको लाभ मिलने का योग है। घर से लेकर कार्यालय तक, विद्यार्थियों से लेकर व्यापारियों तक सभी को लाभ ही लाभ मिलेगा।

कुंभः- आज दिनभर व्यस्तता रहेगी। तरोताजगी के साथ कार्यक्षेत्र में जुटे रहेंगे, जिसका सुखद परिणाम शाम तक आपको मिल जाएगा। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा।

मीनः- आज भाग्य के साथ ही आपको कर्म पर भी भरोसा करना होगा। परिश्रम के अनुसार आपको सफलता मिलेगी। बीते 2 दिनों के मुकाबले आज का दिन अच्छा गुजरेगा।